डगर है मुश्किल कठिन सफर है भजन लिरिक्स

डगर है मुश्किल कठिन सफर है,
मगर मुसाफिर जगा नहीं है,
जो सोएगा बस वही खोएगा,
जो सोएगा बस वही खोएगा,
ये बात उसको पता नहीं है,
डगर हैं मुश्किल कठिन सफर हैं,
मगर मुसाफिर जगा नहीं है।bd।

तर्ज – तुम्हारी नज़रों में हमने।

लगेंगे फल जब किसी वृक्ष में,
वो पेड़ झुक जाएंगे स्वत: ही,
अकड़ तने की बता रही है,
अकड़ तने की बता रही है,
अभी फल इसमें लगा नहीं है,
डगर हैं मुश्किल कठिन सफर हैं,
मगर मुसाफिर जगा नहीं है।bd।

जो खानदानी रईस होते,
मिजाज रखते है नर्म अपना,
तुम्हारा लहजा बता रहा है,
तुम्हारा लहजा बता रहा है,
तुम्हारी दौलत नई नई है,
डगर हैं मुश्किल कठिन सफर हैं,
मगर मुसाफिर जगा नहीं है।bd।

जरा सा कुदरत ने क्या नवाजा,
की आके बैठे हो पहली शफ में,
अभी से उड़ने लगे हवा में,
अभी से उड़ने लगे हवा में,
अभी ये शोहरत नई नई है,
Bhajan Diary Lyrics,
डगर हैं मुश्किल कठिन सफर हैं,
मगर मुसाफिर जगा नहीं है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

डगर है मुश्किल कठिन सफर है,
मगर मुसाफिर जगा नहीं है,
जो सोएगा बस वही खोएगा,
जो सोएगा बस वही खोएगा,
ये बात उसको पता नहीं है,
डगर हैं मुश्किल कठिन सफर हैं,
मगर मुसाफिर जगा नहीं है।**lbd।**

स्वर – श्री देवेन्द्र जी महाराज।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com